दैनिक
मरुधर विशेष
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729
Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665
अंक 02/85 | जयपुर | 14 अप्रैल /2025 | सोमवार | मूल्य: रु. 5 | पृष्ठ: 04

पिछड़े समुदायों के लिए आरक्षण 32 से बढ़ाकर होगा 51 फीसदी

» यहां कुल आरक्षण 85 प्रतिशत हो जाएगा » पिछड़े समुदायों की जनसंख्या 70% होने का दावा » रिपोर्ट पर जल्द निर्णय लेने की तैयारी में

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक मंत्रिमंडल के सामने जाति गणना रिपोर्ट पेश की गई है। इसमें पिछड़े समुदायों के लिए आरक्षण को मौजूदा 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण (संक्षेप में जाति गणना) इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि पिछड़ी जातियों की जनसंख्या 70 प्रतिशत है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़े समुदायों को 51 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट में तमिलनाडु और झारखंड का उदाहरण दिया गया है। तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग की आबादी के अनुसार 69 प्रतिशत आरक्षण है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल के सामने जाति गणना रिपोर्ट पेश

2015 में शुरू हुई थी जाति गणना

यह जाति गणना 2015 में एच. कांथराज के नेतृत्व में शुरू हुई थी। बाद में, के. जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने इसे पूरा किया।

ओबीसी आबादी लगभग 4.16 करोड़

सर्वेक्षण के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल आबादी लगभग 4.16 करोड़ है। यह आबादी लगभग 5.98 करोड़ की सर्वेक्षित आबादी में से है। रिपोर्ट में अनुसूचित जाति की आबादी 1.09 करोड़ से अधिक बताई गई है। वहीं, अनुसूचित जनजाति की आबादी 42 लाख से अधिक है।

कर्नाटक में जातिगणना रिपोर्ट का असर

कुल आरक्षण 85 प्रतिशत हो जाएगा। ईडब्ल्यूएस आरक्षण 10 फीसदी है। रिपोर्ट की सिफारिशें लागू की गईं तो यह आरक्षण 24 फीसदी हो जाएगा।

फरवरी 2024 में सिद्धारमैया सरकार को दी गई थी रिपोर्ट

अंतिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को फरवरी 2024 में सौंपी गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछड़ी जातियों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण मिलना चाहिए। इससे सामाजिक समानता लाने में मदद मिलेगी। सरकार अब इस रिपोर्ट पर विचार कर रही है।

17 को कैबिनेट की बैठक

सिद्धारमैया सरकार ने जाति गणना रिपोर्ट पर 17 अप्रैल को कैबिनेट बैठक बुलाई है। इस कैबिनेट बैठक में इस रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सरकार मंथन करेगी और उसके बाद इन सिफारिशों को लागू किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

नायडू ने मोदी को भूमि पूजन का न्योता भेजा

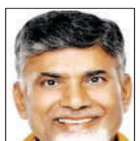

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती शहर को तैयार करने की परियोजना पर एक बार फिर तेज रफ्तार से काम शुरू हो गया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू का यह ड्रीम प्रोजेक्ट 65,000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाला है। परियोजना के भूमि पूजन के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को न्योता भेजा गया है। कृष्णा नदी के तट पर राजधानी बनेगी।

प्रमुख नेताओं ने बैसाखी की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देशवासियों को बैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। नेताओं ने इसे एकता, समृद्धि और नई शुरुआत का पर्व बताया। राष्ट्रपति ने लिखा कि मैं शुभ अवसर पर सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

दुष्कर्म और हत्या के आरोपी ने की आत्महत्या

तलोजा। महाराष्ट्र के कल्याण में नाबालिग लड़की के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के आरोपी विशाल गवली ने सुबह 3:30 बजे तलोजा जेल में तौलिया से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तलोजा जेल अधिकारी ने बताया कि विशाल गवली साढ़े 3 माह से तलोजा जेल में बंद था। सुबह करीब साढ़े तीन बजे शौचालय में लटका मिला।

वॉल्वो बस पहाड़ी से टकराई, 30 घायल

मंडी। चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर मंडी से पंडोह के बीच चार मिल के पास रविवार तड़के करीब 4 बजे दिल्ली से कसोल जा रही एक वोल्वो बस पहाड़ी से टकराकर सड़क पर पलट गई। बस में लगभग 38 यात्री सवार थे, जिनमें से करीब 30 लोग घायल हुए हैं। शेष यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में नहीं थम रहा बवाल, आगजनी व मारकाट की घटनाएं बढ़ीं

मुर्शिदाबाद में फिर भड़की हिंसा, 2-3 राउंड की फायरिंग अफस्पा और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग उठी

युवक की पीठ पर लगी गोलियां

अब तक 150 से अधिक लोग गिरफ्तार, सीएम ममता पर उठ रहे सवाल

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। हिंसा के दौरान गोलीबारी में एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीएसएफ के जवानों पर हमला करने का आरोप लगा है। आरोप लगाया गया कि बीएसएफ की तरफ से 2 से 3 राउंड की गोली चलाई गई है। गोलीबारी में धुलियान इलाके में शमशेर नदाव नाम के युवक को गोली लग गई। उसे इलाज के लिए जंगीपुर उपजिला अस्पताल से मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि उसे पीठ में गोली मारी गई है। युवक का फिलहाल बरहामपुर के मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़की हिंसा को लेकर रविवार को 12 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अब गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 150 से अधिक हो गई है। यह कदम कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा शनिवार को क्षेत्र में केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती के आदेश के बाद उठाया गया है।

भाजपा सांसद महतो का शाह को पत्र

हिंदुओं को बनाया जा रहा निशाना, अफस्पा लगाएं

वक्फ कानून के विरोध में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के चलते पश्चिम बंगाल हिंसा की चपेट में है। इस बीच भाजपा सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर बंगाल के सीमावर्ती जिलों में अफस्पा कानून लागू करने की मांग कर दी है। भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने यह मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि बंगाल के सीमावर्ती जिलों को अफस्पा कानून के तहत अशांत इलाके घोषित कर देना चाहिए क्योंकि इन जिलों में हिंदुओं पर बार-बार हमले हो रहे हैं।

'ये है तृणमूल कांग्रेस'

पूनावाला बोले, सांसद पठान कत्लेआम के पल का आनंद ले रहे

मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा ने एक बड़ा रूप ले लिया। केंद्रीय बलों की तैनाती हुई। इसी बीच टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान की एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर विवाद खड़ा हो गया है। पठान ने एक पोस्ट में चाय पीते और आराम करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसके बाद उनकी आलोचना शुरू हो गई। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि बंगाल जल रहा है। हाई कोर्ट ने खुद कहा है कि वह आंखें बंद नहीं रख सकता। पठान चाय की चुस्की ले रहे। कत्लेआम देख रहे।

अजय आलोक ने बंगाल सरकार को घेरा

ममता सरकार हिंसा रोकने में पूरी तरह से फेल

इस मुद्दे पर भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा कि बंगाल में पलायन शुरू हो चुका है और हिंदुओं पर हमले भी हो रहे हैं। आलोक ने कहा कि बंगाल की हालत बहुत चिंताजनक है। मुझे लगता है कि बंगाल के हिंदू ज्वालामुखी के मुहाने पर बैठे हुए हैं। पलायन शुरू हो गया है और हिंदुओं पर हमले भी हो रहे हैं। की लोगों को भागना पड़ा।

राज्य सरकार आंख मूंदकर घटनाओं को देख रही

आगे कहा कि 1947 में जिस तरीके की हिंसा हुई थी, उस तरीके की एक बार फिर से हिंसा हो रही है और वह दिन याद आ रहे हैं। मुर्शिदाबाद और मालदा में भी कुछ वैसे ही हालात हैं। राज्य सरकार आंखें मूंदकर इन सारी घटनाओं को देख रही है और इस्लामिक जिहादियों को सरपरस्ती दे रही है, जिससे उनका मनोबल और भी बढ़ रहा है। कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ममता सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है।

स्थानीय लोगों ने लगाई गुहार

आतंक फैलाया जा रहा, राष्ट्रपति शासन लगे

स्थानीय लोगों ने केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की है। लोग पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। लोग केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यहां पर हर शुक्रवार को नमाज के बाद आतंक फैलाया जाता है। यहां गुंडागर्दी चलती है। आराजकता चल रही है।

बरेलवी की अपील

उग्र प्रदर्शन का हिस्सा ना बनें मुस्लिम, नुकसान होगा

मौलाना बरेलवी ने मुसलमानों से अपील की है कि वे उग्र प्रदर्शन का हिस्सा ना बनें और शांति बनाए रखें। उन्होंने जोर देकर बोला है कि ऐसे प्रदर्शनों से नुकसान ज्यादा हो जाता है।

गृह राज्यमंत्री राय ने कहा

तुष्टिकरण के कारण हिंदुओं को अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानन्द राय ने बंगाल में हो रही हिंसक झड़पों को लेकर कहा कि सीएम ममता बेनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हिंदुओं को अपमानित और प्रताड़ति होना पड़ रहा है। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राय ने कहा कि मुर्शिदाबाद ही नहीं, वहां के अन्य इलाकों में भी आज हिंदुओं को मारा जा रहा है, उनकी हत्या की जा रही है, उनकी प्रतिष्ठा लूटी जा रही है और संपत्ति जलाई जा रही है।

राजद और कांग्रेस को भी इसका परिणाम भोगना पड़ेगा

उन्होंने कहा कि बिहार के लोग भी इन घटनाओं को अच्छी तरह से देख रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस को समर्थन देने वाला राजद और कांग्रेस को भी इसका परिणाम भोगना पड़ेगा।

सुवेंदु अधिकारी का गंभीर आरोप

करीब 500 हिंदुओं को करना पड़ा पलायन

विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया है कि अभी भी बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग धूलियन, मुर्शिदाबाद से 500 हिंदू, धर्मांध तत्वों के डर से मजबूर होकर नदी पार कर मालदा के बैष्णबनगर के देओनापुर-सोवापुर ग्राम पंचायत स्थित पर लालपुर हाई स्कूल में शरण लेने को विवश हुए।

जलियांवाला बाग हत्याकांड

राष्ट्रपति-पीएम ने श्रद्धांजलि दी, 'स्वतंत्रता' को मिली दिशा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि मैं जलियांवाला बाग में मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करती हूं। उनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम की धारा को और प्रबल बना गया। ऋणी भारतवर्ष सदा उनका स्मरण करता रहेगा। पीएम मोदी ने भी शहीदों को याद करते हुए कहा कि यह हत्याकांड भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक बड़ा मोड़ था। हम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। कई पीढ़ियां उनके अदम्य साहस और बलिदान को हमेशा याद रखेंगी। यह इतिहास का एक काला अध्याय है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी।

विंध्यवासिनी देवी की पूजा

मिर्जापुर। यहां विंध्याचल धाम में निकशी पूजा उत्सव के अवसर पर भक्त गंगा नदी का पवित्र जल लेकर विंध्यवासिनी देवी की पूजा करने के लिए कतारों में प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता बाजवा के बयान से प्रदेश में मच गया तूफान

पंजाब में 50 बम आए, अभी 32 बम फटने के लिए बचे और घर पहुंच गई पुलिस

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के बयान से सियासी तूफान मचा है। उन्होंने एक मीडिया चैनल में दावा किया कि पंजाब में 50 बम आए हैं। इनमें से 18 फट चुके हैं और 32 अभी भी बाकी हैं। इसके तुरंत बाद काउंटर इंटेलिजेंस, पंजाब पुलिस की एक टीम विपक्ष के नेता के आवास पर पहुंच गई और उनके पूछताछ की।

मान बोले- आपका पाकिस्तान से कनेक्शन तो नहीं

सूत्रों का खुलासा नहीं करूंगा: बाजवा

बाजवा ने कहा कि मेरे सूत्रों ने मुझे चेतावनी दी है कि पंजाब में कई बम आए हैं। मेरे सूत्र ने मुझे बताया कि मुझे सचेत रहना चाहिए। मैंने पूरा सहयोग किया है और काउंटर इंटेलिजेंस के साथ पूरा सहयोग करूंगा। हमारा काम लोगों को बचाना और पंजाब सरकार की मदद करना है। मैंने एजेंसी को सब बता दिया है।

मान ने बाजवा पर बोला हमला- बताएं किसने ये बम भेजे?
पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि अगर बाजवा ने बम होने की जानकारी दी है, तो उनका पाकिस्तान से क्या कनेक्शन है कि वहां के आतंकी सीधे उन्हें फोन करके बता रहे हैं कि उन्होंने कितने बम भेजे हैं? यह जानकारी न तो इंटेलिजेंस के पास है और न ही केंद्र को।

हाई कोर्ट ने धामी सरकार के बुलडोजर एक्शन पर उठाए सवाल

रसूखदारों पर क्यों नहीं हुई कार्रवाई फिलहाल सरकार के आदेश पर रोक

प्रार्थना पत्र पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की

एजेंसी ▶▶ नैनीताल

हाईकोर्ट ने देहरादून जिले के विकासनगर क्षेत्र में झुग्गियों पर शुरू हुई बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर दायर प्रार्थना पत्र पर शनिवार शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की। इन बस्ती वालों के विशेष अंतरिम राहत के अनुरोध पर चीफ जस्टिस जी. नरेंद्र एवं जस्टिस आशीष नैथानी की खंडपीठ ने कार्रवाई संबंधित आदेश पर रोक लगा दी है।

सुनवाई का अवसर क्यों नहीं दिया जा रहा?

हाई कोर्ट ने उत्तराखंड की धामी सरकार से पूछा है कि रसूखदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई और झुग्गीवालों को सुनवाई का अवसर क्यों नहीं दिया जा रहा है? कोर्ट ने सरकार को 15 अप्रैल तक स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। सरकार की ओर से बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को पूर्व में भी नोटिस दिए गए हैं।

मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सुनाया फैसला
शनिवार को अवकाश के बाद भी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ में प्रभावितों के प्रार्थना पत्रों पर विशेष सुनवाई हुई। खंडपीठ ने इस पर सख्त नाराजगी जताते हुए नोटिसों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी।

खाटूश्याम जी मंदिर में उमड़ी लाखों की भीड़, पैर रखने की जगह नहीं

गर्मी से लाइन में खड़े-खड़े बेहोश होकर गिरे श्रद्धालु

एजेंसी ▶▶ सीकर

राजस्थान के सीकर जिले के प्रसिद्ध खाटूश्याम जी मंदिर परिसर में रविवार को लाखों की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां आए श्रद्धालु मंदिर परिसर में ही बेहोश होकर गिर रहे हैं। हनुमान जयंती के बाद रविवार को श्रद्धालुओं की ये भीड़ उमड़ी है। गर्मी में श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। गर्मी से श्रद्धालुओं का बुरा हाल हो गया।

रविवार के चलते मंदिर परिसर में ज्यादा भीड़ हो गई। लाइन में लगे श्रद्धालु गर्मी के कारण बेहोश होकर गिर जा रहे हैं। जिले के आसपास चार पहिया गाड़ियों की लंबी कतार लगी हुई है। सीकर जिले में ट्रैफिक जाम की भी समस्या बन गई है।

> गाड़ियों की लंबी कतारें लगी सीकर में जाम की समस्या बढ़ी

यह हिंदुओं का प्रमुख धार्मिक स्थल

खाटूश्याम जी मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में खाटू गांव में स्थित एक प्रसिद्ध हिंदू तीर्थ स्थल है, जो भगवान श्रीकृष्ण के अवतार खाटू श्याम को समर्पित है। इसे 'हारे का सहारा' और 'लखदातार' के नाम से भी जाना जाता है।

दर्शन को जा रहे थे, कार ट्रेलर से टकराई

परिवार के 5 लोगों की मौके पर ही मौत

जिले के जमवारामगढ़ क्षेत्र में रविवार सुबह सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे पर स्थित नेकावाला टोल प्लाजा के पास उस वक्त हुआ, जब लखनऊ से आए एक परिवार की कार सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गई। घटना सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है। हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक साल का एक मासूम शामिल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार से हैं।

हमें गुरुओं की कुर्बानी को हमेशा याद रखना चाहिए -नौक्षम चौधरी

पीपलखेड़ा में हुआ बैसाखी मेला आयोजित ,विधायक ने माथा टेककर सुना शबद कीर्तन

मरुधर विशेष

तालिम खान पहाड़ी क्षेत्र के पीपलखेड़ा में रविवार को सर्व संगत पंजाबी समाज द्वारा बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया कामा विधानसभा क्षेत्र के सभी गुरुद्वारों ने पंजाबी समाज द्वारा शपथ कीर्तन आयोजित किए गए और अरदास की गई गांव पीपलखेड़ा में बैसाखी मेले का आयोजन किया गया कामां विधायक नौक्षम चौधरी ने इस बैसाखी मेले में पहुंचकर गुरुद्वारे में मत्था टेका और शबद कीर्तन सुना विधायक नौक्षम चौधरी ने सर्व संगत पंजाबी समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें गुरुओं की कुर्बानी को हमेशा याद रखना चाहिए दसवें पातशाह गुरूगोविन्द सिंह ने अपने साहबजादो को कौम और अपने देश के लिए कुर्बान कर दिया हम उनकी कुर्बानी को कैसे भुला सकते है उनकी कुर्बानी व्यर्थ नही जानी चाहिए विधायक नौक्षम चौधरी ने कहा कि सभी को गुरूओ के बताए गए मार्ग पर ही चलना चाहिए हमेशा उसी रास्ते पर चलो जो सच्चा व नेक हो जिससे देश व कौम का भला हो सके विधायक नौक्षम चौधरी ने उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा वर्ग बुरे कामों से तौबा करे नशे की लत को छोड़े हमेशा मेहनत और संघर्ष से नेक कमाई करें और अपने घर परिवार व देश का नाम रोशन करें हम आपको बता दें कि विधायक नौक्षम चौधरी ने कार्यक्रम में भाग लेने के उपरांत से लोगों को अपने हाथों से लंगर प्रसाद वितरित किया और स्वयं भी संगत के साथ पंगत में बैठकर प्रसादी के ग्रहण की7

बाबा साहेब की कल्पनाओं को साकार करती मोहन सरकार

जयंती विशेष

क्रांतिदीप अलूने

डॉ. आंबेडकर ने समाज में समानता और सशक्तिकरण के लिए जो मार्गदर्शन दिया, वह मध्यप्रदेश में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो, इसके लिए राज्य सरकार लोक-कल्याण के व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, डॉ. आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करते हुए सुशासित प्रदेश की अवधारणा पर प्रदेश के विकास को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहे है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में समान अवसर और समावेशी विकास की योजनाओं ने उसे एक सशक्त और प्रगतिशील राज्य बना दिया है। मध्यप्रदेश डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है।

डॉ. आंबेडकर के चिंतन और संघर्ष का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के साथ सभी का खुशहाल जीवन था। मध्यप्रदेश में बड़ी आबादी अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार वंचित और गरीब वर्गों के सर्वंगीण विकास और खुशहाल जीवन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस (26 नवंबर) पर मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए अपने यूके-जर्मनी दौरे के बीच लंदन में उस स्थान पर पहुंचे जहां 1920 के दशक में डॉ. आंबेडकर ने निवास किया था। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। दरअसल, भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक उद्घोषणा है, जो संविधान की मूल भावना, उद्देश्यों और आदर्शों को दर्शाती है। यह संविधान के उद्देश्यों की आधारशिला है। प्रस्तावना में समस्त नागरिकों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प दिखाया गया है और प्रदेश उन संकल्पों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

मध्यप्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था और राज्य उनके विचारों को साकार करने वाली भूमि के रूप में पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जनकल्याणकारी कार्यों से यह सुनिश्चित किया है कि वंचित वर्गों के लिए संचालित कार्यक्रम और योजनाओं को डॉ. आंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहारिक जीवन और नीति निर्माण में भी उतारा जाए। भारत एक कल्याणकारी राज्य है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों, विशेष रूप से गरीब वर्ग के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चिंतन के अनुरूप 'सबका साथ और सबका विकास' को बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की है कि डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली महू में स्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. आंबेडकर शिक्षा को जीवन का सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उनके लिए शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत तरक्की का साधन नहीं अपितु सामाजिक परिवर्तन, समानता और न्याय का रास्ता थी। उन्होंने शिक्षा को दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों के लिए मुक्ति का द्वार बताया था। उनका मानना था कि उच्च शिक्षा संस्थान वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विचारक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं। अब डॉ. आंबेडकर से प्रेरणा लेकर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से उत्कृष्ट विद्यार्थी निकल सकेंगे।

पंच तीर्थ की यात्रा कराएगी सरकार: महू में डॉ. आंबेडकर स्मारक के साथ कई अन्य स्थान भी हैं, जो उनके संघर्ष और योगदान को याद दिलाते हैं। यह स्थल पूरे देश के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत हैं। महू डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ

स्थल है। देश विदेश से लाखों लोग यहां पर आते है। मध्यप्रदेश सरकार डॉ. भीमराव आंबेडकर की स्मृति में पंच तीर्थों उनके जन्म स्थान, दीक्षा स्थल, कर्मभूमि, शिक्षा स्थल और जहां उनका महा-परिनिर्वाण हुआ था, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इन पंच तीर्थों बाबा साहेब की जन्मस्थली महू, दीक्षा भूमि नागपुर, महा-परिनिर्वाण स्थली दिल्ली, चैत्य भूमि मुंबई और यूके के लंदन में स्थित पढ़ाई के समय का उनका निवास स्थल शामिल हैं, की यात्रा कराएगी।

सागर जिले के करीब ढाई सौ वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र को प्रदेश का 25वां अभयारण्य घोषित किया है। संविधान के शिल्पकार डॉ. आंबेडकर के पर्यावरण संरक्षण के प्रति आग्रह को याद करते हुए अभयारण्य का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से रखा गया है। अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य-प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। इस अभयारण्य से पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रृंखला सुदृढ़ होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

प्रदेश का सबसे लंबा फ्लाईओवर ब्रिज डॉ. आंबेडकर के नाम: सेतु केवल दो स्थानों को जोड़ने वाली संरचना नहीं होती बल्कि यह संपर्क, विकास और विश्वास का प्रतीक होता है। देश के हृदय प्रदेश की राजधानी भोपाल के हृदय-स्थल कहे जाने वाले महाराणा प्रताप नगर में बने प्रदेश के सबसे (2.73 किमी) लंबे फ्लाई-ओवर का नामकरण बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेकता में एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।

डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना, किसान समृद्धि की नई पहल: समता और समानता के पैरोकार रहे डॉ. आंबेडकर के नाम पर राज्य सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए 'डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना' को मंजूरी दी। पशुपालन और डेयरी, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, अपितु आधुनिक भारत में भी एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है। पशुपालन एवं डेयरी और डॉ. भीमराव आंबेडकर का संबंध मुख्य रूप से समाज के आर्थिक उत्थान और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ है। डॉ. आंबेडकर ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक समानता की बात की और समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया। पशुपालन और डेयरी उद्योग को उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा, विशेष रूप से दलित, जनजातीय और पिछड़े समुदायों के लिए।

डॉ. आंबेडकर ने समाज में समानता और सशक्तिकरण के लिए जो मार्गदर्शन दिया, वह मध्यप्रदेश में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो, इसके लिए राज्य सरकार लोक-कल्याण के व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, डॉ. आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करते हुए सुशासित प्रदेश की अवधारणा पर प्रदेश के विकास को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहे है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में समान अवसर और समावेशी विकास की योजनाओं ने उसे एक सशक्त और प्रगतिशील राज्य बना दिया है। मध्यप्रदेश डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है।

आंबेडकर के सपनों को साकार करे राष्ट्र

विमर्श

डॉ. घनश्याम बादल

आंबेडकर का राजनीतिक दर्शन भारतीय राजनीति और समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला रहा है। उनका दर्शन सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित था। आंबेडकर का मानना था कि जब तक समाज में छुआछूत, जातिवाद और असमानता बनी रहेगी, तब तक लोकतंत्र केवल एक दिखावा होगा। उन्होंने सामाजिक समानता को राजनीतिक स्वतंत्रता से भी ज़्यादा महत्वपूर्ण माना। भारतीय संविधान के शिल्पकार ने संविधान में नागरिकों को समान अधिकार, स्वतंत्रता, शिक्षा, रोजगार और न्याय की गारंटी प्रदान करवाई। उनका विश्वास था कि संविधान के जरिए सामाजिक परिवर्तन लाया जा सकता है। आंबेडकर ने लोकतंत्र को केवल राजनीतिक प्रणाली ही नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन का तरीका माना। आंबेडकर राज्य को समाज में सकारात्मक हस्तक्षेप करने वाला मानते थे। उनका मानना था कि राज्य को शोषित वर्गों के उत्थान के लिए आरक्षण, शिक्षा और सामाजिक सुधार जैसे मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। आंबेडकर के लिए धर्म व्यक्तिगत आस्था रही लेकिन सामाजिक न्याय के विरोध में खड़े धर्म का वे विरोध करते थे। उन्होंने अंततः बौद्ध धर्म को अपनाया, जो उनके राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से मेल खाता था। उनका अंतिम लक्ष्य ऐसा भारत था जहां जाति के आधार पर कोई भेदभाव न हो और हर व्यक्ति को समान अवसर मिले। आज भी आंबेडकर का नाम दलित वोटों को किसी चुंबक की तरह खींचता है। आंबेडकर के बाद कितने ही दलित नेता आए लेकिन आंबेडकर जैसा तिलिस्म कोई नहीं खड़ा कर पाया, न जगजीवन राम और न कांशीराम या रामविलास पासवान और न ही मायावती स्वयं को आंबेडकर में बदल पाए। आंबेडकर जयंती मनाने व उनकी जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर देने से दलित वर्ग भले ही खुश हो, मगर आंबेडकर के साथ जीते जी जो व्यवहार हुआ और मृत्यु के पश्चात भी उन पर जिस तरह उंगलियां उठाई गई, उससे आंबेडकर के प्रति राजनीतिक दलों एवं सरकारों के रवैये एवं उनकी कथनी-करनी के अंतर का साफ पता चलता है। गरीब दलित परिवार में पैदा हो, फर्श से अर्श का सफर तय करने वाले आंबेडकर भारतीय संविधान के जनक तो हैं ही आज भी सोशल इंजीनियरिंग की धुरी हैं। भीमराव आंबेडकर के चिंतन पर भी बहस की पर्याप्त गुंजाइश है। आंबेडकर की उंगली उठाए हुए लगाई गई प्रतिमाएं जहां समाज एवं सरकारों की मंशा पर उंगली उठा रही लगती हैं, वहीं स्वयं उन पर भी आजीवन उंगलियां उठती रही। तब भी जब आंबेडकर का चुनाव संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में किया जा रहा था और तब भी जब उनके बनाए कानूनों को दुनिया अचरज भरी नज़र से देख रही थी और तब भी जब उन्हें देश में आरक्षण के नाम पर चल रहे दंगों के लिए सबसे बड़ा गुनहगार बताया जा रहा था और जब उन्हें देश के दलित वर्ग का 'मसीहा' कहा जा रहा था और तब भी जब उन्हें 'पैर की जूती' कह लांछित किए जाने वाले दलित वर्ग को सिर माथे पर बिठाने का दोषी माना जा रहा था। इतना ही नहीं, जब उन्होंने हिंदू धर्म को त्याग कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया तब भी उनके इस निर्णय पर बहुत पैनी एवं कठोर मुद्रा वाली उंगलियां उठीं थी। दलितों के मसीहा भीमराव, आज़ाद हिंदुस्तान के गरीब,वंचित व दलित समाज के श्रद्धापात्र 'भीम' भारत के साथ ऐसे जुड़े हैं कि भीम और भारत को अलग करना संभव ही नहीं लगता है। आज डा. आंबेडकर के नाम से वोटों की फसल काटने वाले तो बहुत हैं पर उनके दिखाए रास्ते पर कम ही चलते हैं। इसी वजह से आंबेडकर का दलित-पिछड़ों के समन्वय का सपना आज भी अधूरा है। दलित अभी भी त्रस्त हैं और जब तक उन्हें गरीबी की रेखा से ऊपर नहीं लाया जाता, उनके लिए समाज के दूसरे वर्गों में सम्मान व बराबरी का भाव नहीं आ जाता, तब तक आंबेडकर का 'मिशन बराबरी' का स्वप्न पूरा नहीं होगा।

अंतिम समय में उन्होंने जातिगत आरक्षण का विरोध भी किया था। वे मानते थे एक बार आरक्षण की बैसाखी पर चलने की आदत होने पर दलित व पिछड़ा समाज हमेशा के लिए उसका आदी हो जाएगा और उसकी उन्नति की जमीन चालाक वर्ग हथिया लेगा और आज ऐसा ही हो रहा है। इसीलिए उन्होंने आरक्षण की अवधि केवल 15 वर्ष रखी थी लेकिन यह अगले 15 वर्षों में भी पूरे होते नहीं दिखते, खैर इन्हीं सीमाओं आलोचनाओं एवं सराहनाओं के बीच आंबेडकर के प्रति उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि।

जयंती विशेष

सुरेश पचौरी

वे सामाजिक क्रांति के महानायक

मध्यप्रदेश की माटी के गौरव सपूत, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर, समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता और भारत के संविधान के निर्माता हैं। डॉ. आंबेडकर का जीवन संघर्षों की ऐसी महागाथा है जिसने इंसानियत को सही अर्थों में समझा और मानवीय गरिमा को स्थापित कर इतिहास को गौरवान्वित किया। दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति चेतना जगाने में उनका विशेष योगदान है। दलित एवं कमजोर वर्गों के लिए उनका स्पष्ट संदेश था: शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। डॉ. आंबेडकर राजनैतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहते थे। वे आर्थिक शोषण के खिलाफ संरक्षण को संविधान के मूलभूत अधिकारों के रूप में सम्मिलित करने के पक्षधर थे।

डॉ. आंबेडकर ने विश्व संविधानों के श्रेष्ठ मूल्यों, उन्नत प्रावधानों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढालकर भारतीय संविधान को वैश्विक संघर्षों एवं अनुभवों से समृद्ध किया। डॉ. आंबेडकर ने संविधान की रचना करते समय इस बात को बारीकी से ध्यान में रखा कि आजाद भारत जातियों, संप्रदायों में विभाजित हुए बिना एकजुट मानव समाज के रूप में अपनी विकास यात्रा तय करे। डॉ. आंबेडकर का जीवन एवं दर्शन सामाजिक एवं आर्थिक नवनिर्माण को सही दिशा देने का मूल मंत्र है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ. आंबेडकर एक चिंतनशील पत्रकार थे। वे पत्रकारिता को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते थे। उन्होंने कहा था- जैसे पंख के बिना पक्षी नहीं होते वैसे समाचार पत्र के बिना आंदोलन नहीं होते। डॉ. आंबेडकर

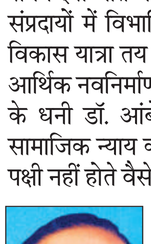

ने खुद भी 1920 में मूकनायक अखबार का प्रकाशन शुरू किया जिसके माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को राष्ट्रीय स्वर दिया। इसका असर यह हुआ कि अंग्रेजों की दलित समाज को हिंदू समाज से अलग करने की चाल विफल हुई। सामाजिक समरसता और समाज में बराबरी का भाव डॉ. आंबेडकर के चिंतन के केंद्र बिन्दु रहे लेकिन यह सिर्फ दलित या कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं था, उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, हिंदू समाज में बहुविवाह प्रथा पर रोक लगाने के हिंदू कोड बिल को लागू करवाने के लिए अथक प्रयास किए। यह उनके सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता का परिचायक था कि हिंदू कोड बिल को पारित न होने पर उन्होंने कानून मंत्री के पद से स्तीफा दे दिया।समानता पर आधारित शोषणमुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों सहित बौद्ध धर्म अपनाया। नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि पर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि मैं इस सिद्धांत को मानूंगा कि सभी मनुष्य एक हैं। मैं बौद्धधर्म के तीन तत्वों 1. ज्ञान 2. करूणा 3. शील के अनुरूप स्वंय को ढालूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार ने डॉ. आंबेडकर के जीवन और कृतित्व को चिरस्मरणीय बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। डॉ. आंबेडकर के जीवन से गहरे संबंध रखने वाले पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। ये पंचतीर्थ इस प्रकार हैं।

डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली, महू: डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली महू में उनकी स्मृति में भव्य स्मारक बनाया गया है एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महू में डॉ. आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

शिक्षा भूमि, लंदन: डॉ. आंबेडकर ने लंदन में जिस इमारत में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी की थी उसे खरीद कर, उस तीन मंजिला इमारत को अंतर्राष्ट्रीय सहअनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित किया है।

दीक्षा भूमि, नागपुर: डॉ. आंबेडकर ने नागपुर में जिस जगह बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था, उस दीक्षा भूमि पर एक भव्य ग्रंथालय, शोध केंद्र और सभागार का निर्माण कराया गया है।

महापरिनिर्वाण भूमि, दिल्ली: दिल्ली के अलीपुर रोड पर वह बंगला स्थित है, जहां पर डॉ. आंबेडकर ने अंतिम सांस ली थी। इस स्थल पर एक स्मारक बनाया गया। डॉ. आंबेडकर स्मारक, मुंबई: मुंबई के उस मकान में, जहां बाबा साहेब ने वर्षों तक निवास किया, वहां डॉ. आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा लगाई गई तथा लगभग 13 हजार लोगों की क्षमता वाला विपश्यना हाल बनाया गया है। वे संपूर्ण मानवजाति के उद्धारक थे। उन्होंने धर्म और जाति से परे शोषण मुक्त समाज का सपना देखा था और उसे साकार करने के लिए वे संकल्पबद्ध थे।

(लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं)

'भीम' के भावभूमि के भारत की चिंता

आंबेडकर जयंती

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

डॉ. आंबेडकर ने आज़ाद भारत के संविधान को सौंपते हुए जो चिंता व्यक्त की थी, वह पूंजीवादी लोगों के विकास के साथ सही साबित होने लगी है। आर्थिक रूप से विपन्न समाज सदैव अर्थहीन ही बनकर रह जाता है। डॉ. आंबेडकर ने जिस सामाजिक व्यवस्था के साथ लड़ाई लड़ी और आर्थिक बराबरी को समाज का हिस्सा बनाना चाहा, वही समाज सबसे ज्यादा चुनौतियों व उलझनों में फंसता जा रहा है। आज के कॉर्पोरेट कल्चर व पूंजीवादी व्यवस्थाओं ने नए तरीके से चुनौतियों को जन्म दिया है। डॉ. आंबेडकर जिस दौर में थे उन्हें अपने समाज की चिंता थी। उन्होंने जब भी मजदूरों के लिए संघर्ष किया या उनकी समस्याओं के लिए प्रतिरोध किया, वह दौर कुछ और था।

भारत निर्माण की बहस चल रही है। यह निर्मित यदि पूंजी के दबाव में हाई-एलिट तबके के ही जीवन का उत्सव बन रही है तो निःसंदेह गरीब, गरीब बना रहेगा और अमीर, अमीर बनता जाएगा। यह समस्या भारत का मध्य-वर्ग तो झेल लेगा लेकिन देश में निम्न मध्य वर्ग और हाशिए के समाज की स्थितियों का क्या होगा, जिनका विकास अभी तक हो ही नहीं सका। पूंजीवादी सोच वाली सरकार कभी भी हाशिए के दुःख को समाप्त कर ही नहीं पाती। डॉ. आंबेडकर ने आज़ाद भारत के संविधान को सौंपते हुए जो चिंता व्यक्त की थी, वह पूंजीवादी लोगों के विकास के साथ सही साबित होने लगी है। आर्थिक रूप से विपन्न समाज सदैव अर्थहीन ही बनकर रह जाता है। डॉ. आंबेडकर ने जिस सामाजिक व्यवस्था के साथ लड़ाई लड़ी और आर्थिक बराबरी को समाज का हिस्सा बनाना चाहा, वही समाज सबसे ज्यादा चुनौतियों व उलझनों में फंसता जा रहा है।

आज के कॉर्पोरेट कल्चर व पूंजीवादी व्यवस्थाओं ने नए तरीके से चुनौतियों को जन्म दिया है। डॉ. आंबेडकर जिस दौर में थे उन्हें अपने समाज की चिंता थी। उन्होंने जब भी मजदूरों के लिए संघर्ष किया या उनकी समस्याओं के लिए प्रतिरोध किया, वह दौर कुछ और था। हो सकता है जिस रीति और व्यवस्था के खिलाफ थे, उसके खिलाफ वह प्रतिरोध किए, आज होते तो वह ज्यादा दुखी होते क्योंकि अब जो सामाजिक अवसंरचना है वह ज्यादा ही हिंसक व बर्बर हो चुकी है। दलितों के तब के जीवन जातीय अभिजात्य व्यवस्था से पीड़ित थे। अब वही दलित जो विभिन्न संघर्षों के साथ झुग्गी झोपड़ियों से उठकर शहरी हो चुका है, उनके दर्द डॉ. आंबेडकर के लिए ज्यादा पीड़ा के विषय होते क्योंकि तब भी श्रमिक व मजदूर जिस तरह जीवन जी रहे थे, उनका विकास उस पैमाने पर कहां हुआ है? ज्यादा से ज्यादा वे गांव छोड़कर शहरी अछूत व्यवस्था के शिकार बन गए हैं। आज भी कितने प्रतिशत दलित समाज के लोगों ने अपने जीवन को सर्व सुख संपन्न बना लिया है? आज भी कितने दलित समाज के लोगों ने बहुत बड़ी उपलब्धियों को हासिल कर लिया है? जो कर भी लिए हैं वे दलित एलीट फील से कहां उबर रहे हैं। वे भी गांव में रह रहे अपने ही समाज को हेय दृष्टि से देखते हैं।

भारत में यह पूंजीवादी सोच जो कि संघर्ष करके ऊपर पहुंची आबादी है, उसमें जो घर कर गई है, वे ही तो आज की पूंजीवादी सोच के पक्षकार बन गए हैं। वे भी तो कॉर्पोरेट कल्चर को सही साबित करने, उन्हें व्यवस्थित होने में सहयोग करने लगे हैं। वह तो केवल डॉ. आंबेडकर थे जो अपने जीवन की यातना को सबके समक्ष सच्चाई से रखते हैं और उस पूरी व्यवस्था को ललकारते हैं। आज का उसी समाज से उठा हुआ व्यक्ति कहां किसकी लड़ाई लड़ रहा है?

कहां वह प्रतिरोध कर रहा है? कहां वह सच्चे मन से डॉ. आंबेडकर की भाषा सच्चे व अच्छे लोगों के लिए बोलने को तैयार है? इस युग की सबसे बड़ी दरिद्रता यही है कि पूंजी का जो खेल चल रहा है उसमें संग्रह व सम्मान के लिए लोग मरे जा रहे हैं, उन्हें न डॉ. आंबेडकर सुध आते हैं और न ही उनके अन्त्यज्य जन। पूंजी ने सबके ऊपर अपना असर डाल रखा है। सभी बेसुध होकर किसी के पिछलग्गू बनकर देश में दलित

को दलित बने रहने का सिनेमा देखकर और उस पर कुछ प्रतिक्रिया देकर शांत होने वाले हैं। सच्चे तो केवल आंबेडकर थे। उन्होंने दलित समाज की दूर्दशा को सिनेमा के रूप में नहीं देखा बल्कि उन्होंने तो उस सच्चाई से जूझकर समान व्यवहार वाला समाज सौंपने का रिस्क उठाया। खेती-बाड़ी और गांव में बसने वाला आंबेडकर का आम आदमी आज भी विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है। 90 के दशक से ही बीटी कॉटन से कितने दलितों ने अपना जीवन खत्म कर लिया। ये आत्महत्या करने वाले गुजरात, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश व केरल के दलित किसान कॉर्पोरेट को अपने खेतों में आने से नहीं रोक सके और आत्महत्या कर ली। उन्हें शराबी बताया गया। उन्हें विभिन्न नशा व लत का शिकार बताया गया।

एक तो इन दलित व पिछड़े किसानों के पास जमीन होती नहीं। जिनके पास जमीन है, या जो बटाई पर जमीन लेकर कपास की खेती करते हैं, उन्हें बदले में फायदे तो नहीं मिले, उन्हें मौत ज़रूर मिली। डॉ. आंबेडकर के किसान निःसंदेह मौत के मुंह में जाने से खुद को नहीं बचा सके। पंजाब और दूसरे प्रान्तों में किसानों की समस्याओं की जड़ में जब आप जाएंगे तो पता चलेगा कि कोई कॉर्पोरेट की साजिश है। तब यह पता चलेगा कि इन किसानों की समस्या सरकार नहीं है बल्कि पूंजी है। पूंजी के प्रबंधन का है और इससे प्रभावित पॉलिसीज सरकार और किसान को एक-दूसरे का दुश्मन बनाए हुए है। डॉ. आंबेडकर की भावभूमि का भारत तो बहुत सुलझा हुआ था न कि आज की तरह उलझा हुआ था। वह जिस संविधान से अधिकारों के बच जाने और मिल जाने की उम्मीद किए हुए थे, वही तो नहीं मिल रहा है। पूंजीवाद ने भारतीय मार्जिनलाइज समाज को उलझा रखा है। यदि इसके लिए ही सरकारें और समाज का बौद्धिक तबका कार्य कर ले तो भी उनके उस समाज की रक्षा हो सकेगी जिसकी लड़ाई डॉ. आंबेडकर ने लड़ी। यह एक श्रृंखलाबद्ध तरीके से बड़ी चतुराई से पूंजीवादी समाज का शिकंजा आज कसा जा चुका है। डॉ. आंबेडकर ने जिस शिक्षा से वंचितों, शोषितों, दलितों और हाशिये के समाज के लिए भला सोचा था, वह भी तो अब कॉर्पोरेट ने हड़प लिया है।

सरकारी स्कूलों में अब केवल दलितों के बच्चों का एडमिशन होता है। जिन दलित समाज के पास पैसा होता है, वे तो कान्वेंट में अपने बच्चों का दाखिला करवा पाते हैं। सब पूंजी का खेल है। जो दलितों के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, उनके बारे में कहा जाता है कि ये बच्चे पेट भरने के लिए आते हैं, मिड डे मील के लिए आते हैं। इस प्रकार से इन बच्चों को अपमानित भी किया जाता है, यही है भारत का सच। आज के समय में जब तकनीकी विकास कर रही है, उसके पंख लग रहे हैं एआई से तो दूरदराज गांव में पढ़ रहे इन बच्चों की भी चिंता की जानी चाहिए। एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहिए जिससे सुदूर तक लाभान्वित करने वाली योजनाएं इनके संकटों व अवरोधों से मुक्ति दिला सके। आज डॉ. आंबेडकर के भारतीय नागरिकों की सच्ची ज़रूरतें पूरी करना ही भारत की आवश्यकता है। पूंजी का यह किला कैसे ढहेगा? पूंजीवादी समाज में हाशिए का समाज कैसे न्याय पाएगा? पूंजी के कुचक्र से मुक्ति का मार्ग कैसे मिले, इस पर हर भारतीय को सोचने की ज़रूरत है। वरना डॉ. आंबेडकर के भावभूमि के भारत को हम कभी बराबरी के तराजू पर रखकर वैयक्तिक व सामूहिक हित नहीं कर सकेंगे।

भामाशाह रामरती देवी ने सीएचसी व पीएचसी केंद्रों पर गर्मी से बचाव के लिए मरीजों के लिए वाटर कुलर किए भेंट

मरुधर विशेष

बहरोड़।(धर्मेन्द्र चार्खिया) क्षेत्र में बढ़ती गर्मी के कारण अस्पताल में मरीजों को परेशानी नहीं हो,इसको देखते हुए भामाशाह रामरती देवी भाविक मेडिकल बहरोड़ ने बहरोड़ भीटेड़ा, माजरी, दूघेड़ा,अनंतपूरा, तसींग,गंडाला ,झझारपुर सहित आधा दर्जन से अधिक सीएचसी, पीएचसी केंद्रों में मरीजों के लिए वाटर कूलर भेंट किए,जहां पर स्टाफ ने भामाशाह का स्वागत किया और आभार जताया।

विश्व हिंदू परिषद का घर वापसी कार्यक्रम मोर में ढाडी मिरासी समाज की 7 ढाणीयों से 31परिवार के 164 जनों की घर वापसी

क्षेत्र में अल्पसंख्यक परिवारों ने अपनाया हिंदू धर्म

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: गढ़ी में विश्व हिंदू परिषद बांसवाड़ा के तत्वावधान में हनुमान जयंती के उपलक्ष्य पर मोर गांव स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में विशाल धार्मिक अनुष्ठान के तहत स्थानीय व आस पास के क्षेत्र के ढाड़ी मिरासी समाज की 7 ढाणीयों से 31 परिवारों के 164 अल्पसंख्यक सदस्यों ने सनातन हिंदू धर्म में घर वापसी कर हिंदू धर्म अपनाया ललित सावरिया ने बताया की सर्व सनातन हिंदू समाज द्वारा सामूहिक यज्ञ हवन, हनुमान चालीसा पाठ,देव दर्शन,संतो के प्रवचन एवम महाआरती कर महाप्रसाद का आयोजन रखा गया । इस अवसर पर भारत माता मंदिर के रामस्वरूप महाराज ने अपने आशिर्वचनो में कहा कि आने वाले समय में देश के अंदर जो धर्मांतरित लोग हे जो असमज में बीच मझधार में फंसे हुए हे जो ना पूर्ण हिंदू है और ना ही पूर्ण मुसलमान है ऐसे लोग धीरे-धीरे कर सनातन धर्म को ही अपना आदर्श मानकर उसे अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हे और आगे भी होते रहेंगे इसी श्रेणी में आज रेबारी समाज के साथ रहने वाले मिरासी ढाडी परिवार जो पिछले कई सालों से वंचित व

शोषित परिवार के रूप में रहा है पूर्व काल में इन्हें मुस्लिम धर्म के लिए प्रेरित किया गया था जो 70 प्रतिशत मुस्लिम जीवन शेली और 30 प्रतिशत हिंदू आस्था को अपना कर जीवन यापन कर रहे थे मगर आज से मीरासी ढाडी समाज के लोग पूर्ण हिंदू धर्म को अपनाकर भैरव जी को इष्ट मानकर पूजा अर्चना करेंगे और अब से वह पूर्ण रूप से हिंदू ढाडी समाज ही रहेंगे सरकार द्वारा ऐसे समाज के लोगो को और उनके बच्चों के लिए उचित स्थान का दर्जा दिलाया जाएगा। मिरासी ढाडी परिवार जो वागड़ क्षेत्र बांसवाड़ा डूंगरपुर में निवासरत है ऐसे कई परिवारों ने आज सर्व सनातन हिंदू समाज के साथ मिलकर हवन यज्ञ में आहुति देकर पूर्ण रूप से हिंदू सनातन धर्म को स्वीकार कर रामस्वरूप महाराज व स्वामी विवेकानंद महाराज का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में डॉ. स्वामी विवेकानंद महाराज ने कहा की इस धरती पर वर्तमान में जितने भी धर्म है भूतकाल में षड्यंत्र के तहत सनातन धर्म से अलग करके बनाए गए हे भूतकाल में सभी का मूल धर्म सनातन धर्म ही था और भविष्य में भी सभी को सनातन धर्म की और आना और अपनाना ही पड़ेगा । कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाहक अशोक सुथार ने अपने उद्बोधन में सर्व समाज को कुटुंब प्रबोधन, उपजाऊ भूमी संवर्धन,जैविक खेती, सामाजिक समरसता के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला विहिप के क्षेत्रीय धर्म प्रसार प्रमुख कैलाश जायसवाल ने बताया की आयोजन में रेबारी समाज की 16 ढाणियों से 53 लोग उपस्थित रहे आयोजन को सफल बनाने में हिंदू संगठन के 28 कार्यकर्ता लगे हुए थे आयोजन में सर्व सनातन हिंदू समाज के 500 प्रतिनिधि पारंपरिक वेश में उपस्थित रहे । कार्यक्रम में श्यामसुंदर शर्मा ,रमेश तेली लबाना समाज के गुरु भवानी नाथ महाराज भारत माता मंदिर के आचार्यों व गुरुकुलम के छात्रो ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर वैदिक मंत्रों का उच्चारण कर यज्ञ हवन में सामूहिक आहुतियां दिलवाई इस अवसर पर विस्तारक धर्मेंद्र भाई साहब,सुभाष भट्ट ,जयप्रकाश पाठक निर्भयनाथ रावल, हीरालाल रैबारी सुरपुर, रघुनाथ रैबारी भटवाड़ा, रैबारी समाज जिला अध्यक्ष लक्ष्मण की रैबारी लिंमोड़ ,अर्जुन रेबारी खेड़ा धणी पवन रेबारी बेड़वा धणी,रमेश डोडियार विश्व हिंदू प्रखंड अध्यक्ष, रामचंद्र जी पांचाल ,परेश टेलर, भंवर जी भीवड़ी प्रकाश जी रबारी बेडवा, राज रबारी डूंगरपुर ,प्रकाश रैबारी ,मोर लबाना समाज के प्रमुख मुखिया जी व शांतिलाल जी लबाना, धनराज जी लबाना, अवराज जी लबाना, भरत लबाना,दिगपाल सिंह जी पादडी बाला भाई पादडी मिरासी समाज के बद्रीनाथ भाई के सानिध्य में खेड़ा धणी सरेड़ी धणी,भटवाड़ा भुवासा पादडी आसपुर और रामगढ़ के मिरासी ढाडी समाज के लोगो ने नारियल हवन पूर्णाहुति कर हिंदू सनातन धर्म को स्वीकार किया आयोजन के पूर्णाहुति पर सर्व सनातन हिंदू समाज ने शांति पाठ किया तत्पश्चात महाआरती कर महाभोज में जातिगत भेद भाव को मिटाकर एक संगत एक पंगत के वाक्य को चरितार्थ करते हुए सामूहिक पंगत में बैठकर सर्व सनातन हिंदू समाज ने भोजन ग्रहण किया आयोजन में आए हुए सर्व सनातन हिंदू समाज एवम संतो का आभार विहिप के आशीष पटेल ने माना आयोजन में संचालन विधा सिंह निनामा ने किया

श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज वागड़ चोखला की त्रैमासिक बैठक विद्या निकेतन परतापुर बोदिया में संपन्न हुई

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः वागड़ चोखला ग्राम इकाई परतापुर के सौजन्य से आयोजित इस त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता परतापुर समाज के अध्यक्ष सुधीर भट्ट ने की।मुख्य अतिथि वागड़ चोखला अध्यक्ष भूपेंद्र पंड्या रामसौर, विशिष्ट अतिथि कार्यकारी अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद जोशी पाँचवड़ा एवं अनिल पंड्या आंजना थे। अति विशिष्ट अतिथि दीपक त्रिवेदी डॉक्टर अशोक जोशी दिनेश जोशी लक्ष्मी दत्त उपाध्याय अशोक पंड्या,रविंद्र उपाध्याय,वासुदेव जोशी नंदकिशोर भट्ट एवं मणिलाल भट्ट थे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के दौरान परतापुर त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति द्वारा दीप पूजन मंत्रोच्चार किया गया। समाज अध्यक्ष भूपेंद्र पंड्या द्वारा ध्यान व प्रार्थना करवाई गई। श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज वागड़ चोखला द्वारा

दिनांक 17 व 18 मई 2025 को अरथुना बालाजी हनुमान जी मंदिर परिसर में सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम पोरडा इकाई के सौजन्य से आयोजित किया जाएगा। जिसमें अब तक 15 बटुकों का पंजीयन हुआ है। साथ ही विराट स्तरीय अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी आयोजित होगा जो की 17 मई सांय 8:00 बजे होगा।बैठक में सभी 17 इकाइयों के अध्यक्ष

सुभाष भट्ट परतापुर, नरेश त्रिवेदी रामसौर, दिनेश भट्ट आंजना, अनिल उपाध्याय झडस, चंद्रकांत जोशी जेठाना, अशोक पाठक भीलूड़ा, नंदकिशोर पंड्या मोटी बस्सी डायालाल उपाध्याय कुशलकोट , प्रवीण जोशी पाँचवडा, पंकज पुरोहित पोरडा, प्रभाषणकर त्रिवेदी नवागांव, हितेश जोशी भगोरा, शैलेश जोशी दीवड़ा बड़ा,ने समाज को संबोधित किया । इस अवसर पर बड़ी संख्या में 17 गांव के पंच प्रतिनिधियों के साथ-साथ त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज परतापुर की समस्त मातृशक्ति उपस्थिति रही। मातृशक्ति का नेतृत्व करते हुए वंदना भट्ट ने समाज में महिलाओं के योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अशोक पंड्या, दिनेश भट्ट ने किया।

महावर वैश्य समाज का 30वा वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह 63 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मरुधर विशेष

बहरोड़ । (धर्मेन्द्र चर्खिया) कस्बे के पुराना बस स्टैंड स्थित महावर भवन में रविवार को श्री महावर वैश्य समाज का 30वां प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 63 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।समारोह में पधारे अतिथियों द्वारा समाज प्रतिभावान छात्र छात्राओं जिन्होंने उच्च अंक प्राप्त किए उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया व प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित युवाओं और खेल, सांस्कृतिक व सामाजिक क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वालों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के बाद गणेश वंदना कर किया गया उसके बाद नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं जिसको देखकर उपस्थित लोगों ने तालिया बजाकर उनका उत्साह वर्धन किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली के घोंडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक अजय गुप्ता रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की कुंजी है। युवा

पीढ़ी अपने प्रयासों से समाज का नाम रोशन कर रही है युवा वर्ग से भी राजनीति में भी भागीदारी का आह्वान किया इसके साथ ही महिलाओं को भी राजनीति में आने की बात की । कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी बाबूलाल डाटा ने की उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती है एवं ऐसे कार्यक्रम अन्य बच्चों को भी प्रेरणा देता है जो एक दूसरे के से सिख कर मेहनत कर आगे बढ़ते हैं ।
कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का महावर वैश्य समाज अध्यक्ष सीए मुकेश गुप्ता व समाज के पदाधिकारियों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। समारोह में भिवाड़ी,खैरथल,रेवाड़ी सहित आसपास के क्षेत्र से आए सभी गणमान्य लोग मौजूद रहे जिनका भव्य स्वागत किया गया ।
कार्यक्रम में ओमप्रकाश गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के एम गुप्ता, सीए एमडी डाटा, राकेश गुप्ता, डॉ पुष्कर गुप्ता, तहसीलदार मेघा गुप्ता, पूनम गुप्ता, सचिन गुप्ता, जीएसटी इंस्पेक्टर त्रिलोकचंद गुप्ता, नवल किशोर गुप्ता, शम्मी गुप्ता व राजाराम गुप्ता ने भी उपस्थित लोगो के मध्य अपने विचार रखे । इस दौरान धर्मार्थ ट्रस्ट अध्यक्ष एस सी गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता महिला मंडल अध्यक्ष आशा गुप्ता, धनवंती गुप्ता, सरोज गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक सतीश गुप्ता, छत्रपाल गुप्ता, सचिन गुप्ता, वैश्य समाज अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, अग्रवाल अध्यक्ष कृष्ण अग्रवाल सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन सतीश गुप्ता , विनिता गुप्ता और प्रीति गुप्ता ने किया।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा समरसता पखवाड़ा अंतर्गत दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा समरसता पखवाड़ा के अंतर्गत आज अंबेडकर कॉलोनी में दीपोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समरसता, एकता और भाईचारे की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष रेखा जोशी, नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र अहारी, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र सेठिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष नम्रता जैन, मंडल महामंत्री राघवेश चरपोटा, दिलीप टेलर उपाध्यक्ष ललिता सोनी, रमेश तलेसरा, नरेश गादिया, महेंद्र प्रताप सिंह झाला, महावीर कोठारी, राहुल सोनी, भावेश अहारी, मीना चौहान, रौनक टेलर, महेश राज भोई जगदीश चौहान, धीरज चौहान, संजय चौहान तथा रमेश जी चौहान धीरज चौहान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कर समाज में समरसता का संदेश दिया गया। सभी वक्ताओं ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने और सामाजिक समरसता के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

बारात के दौरान बेकाबू कार ने मचाई तबाही, दर्जन भर हुए घायल

मरुधर विशेष

कठूमर। जिले के बहतू कला थाना क्षेत्र के जाडला गांव में एक शादी समारोह में उस समय मातम छा गया, जब बारात के दौरान एक दूल्हे वाली बेकाबू कार ने करीब एक दर्जन से अधिक लोगों को कुचल दिया। यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब हिसार से आई बारात लड़की के घर पहुँचने ही वाली थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दूल्हे की कार डीजे के पीछे चल रही थी। ड्राइवर गाड़ी की चाबी अंदर ही छोड़कर डीजे पर नाचने चला गया। इसी दौरान एक शराब के नशे में धुत बाराती ने गाड़ी स्टार्ट कर दी। नशे की हालत में उसने गाड़ी पर नियंत्रण खो दिया और कार तेजी से भीड़ में घुस गई। गाड़ी ने एक के बाद एक कर छोटे बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और यहां तक कि मवेशियों को भी अपनी चपेट में ले लिया।हादसे में लीली, कश्मीरा, उर्मिला, नरेश, लोकेश, राजेश और पूनी सहित दर्जनभर लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें लोकेश की कमर में गंभीर चोट आई है, वहीं लगभग 70 वर्षीय पूनी के सिर में गहरी चोट लगी है। 26 वर्षीय राजेश को सिर, हाथ, पैर और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को तत्काल कठूमर और लक्ष्मणगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत वालों को अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया। ग्रामीण सोनू ने बताया कि हादसे के वक्त सभी लोग सड़क से दूर खड़े थे, लेकिन कार की तेज रफ्तार और लापरवाही ने सबको चपेट में ले लिया।

सभी लोग सहमे हुए है , हालांकि सूचना के बाद नजदीकी थाना मौके पर पहुँचा ओर घायलों को अस्पताल में भिजवाया गया , लेकिन शराब सेवन और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार की एक बड़ी कीमत गांव वालों को चुकानी पड़ी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पंजाबी समाज का आयोजित हुआ बैसाखी मेला, पंजाबी गीददा पर जमकर झूमे पंजाबी

मरुधर विशेष

अलवर ।अतुल्य श्री पंजाबी समाज अलवर, राष्ट्रीय पंजाबी महासभा अलवर, समस्त पंजाबी समाज अलवर द्वारा आपसी भाईचारे का प्रतीक बैसाखी पर्व आज बैसाखी मेले के रूप मे निजी रिसोर्ट मे आयोजित हुआ । कार्यक्रम संयोजक बालकिशन आहूजा ने बताया कि मनोरंजन एवं रोमांच से भरपूर भव्य बैसाखी मेले मे टैटू आर्टिस्ट, रिंग टॉस, गुण शूटिंग, बाल गेम, बुन फायर जैसे गेम्स नें बाचो व परिवारों को मेले के रंग मे रंगने को मजबूर कर दिया का त्य समयानुसार शाम 6▲30 बजे से दीप प्रज्ज्वलन व गणपति वंदना के साथ कार्यक्रम का अगज हुआ । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक कुमार बैरी अखिल भारतीय अधिकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अनुराग सरीन ज्वॉइंट कमिश्नर स्टेट जीएसटी जयपुर रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ मुकेश अरोड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल पंजाबी समाज ने की 7 कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि अमित छाबड़ा अध्यक्ष राष्ट्रीय पंजाबी महासभा अलवर एवं अभिषेक तनेजा होंगे।

गर्मी मे ठंडा पेयजल पिलाने से बढ़ा कोई पुण्य कार्य नहीं रमेश सचदेवा

मरुधर विशेष

बावल सुनीता सैनी बावल कस्बे में भारत विकास परिषद दुवरा दो जगहों पर वाटर कूलर लगाकर लोगों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है पहले भी कई स्थानों पर वाटर कूलर लगाये गए हैं भारत विकास परिषद के सदस्य रमेश सचदेवा ने बताया कि उनकी शाखा देश भर में समाज हित के लिए अनेक सामाजिक कार्य करती रहती है इसी कड़ी में आज नई सब्जी मंडी और विद्युत निगम के पास वाटर कूलर लगाया है ताकि गर्मी में लोगों को ठंडा पानी मिल सके परिषद सदस्य डॉक्टर आर पी यादव ने बताया कि भारत विकास परिषद जरूरतमंद लोगों के लिए कपड़ा किताब व अनेक सामग्री उपलब्ध कराती रही है उन्होंने कहा कि वह जनहित के लिए अनेक कार्य देश भर में करती है शाखा द्वारा जगह-जगह अनेक सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना पेड़ लगाना वसफाई क्यों जरूरी है नशे से दूर रहना सहित अनेक सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं शहर मे भी भारत विकास परिषद द्वारा अनेक जनहित के लिए सामाजिक व धार्मिक कार्य करवाए गए हैं कस्बे में कई स्थानों पर परिषद द्वारा वाटर कूलर लगाए गए हैं दो जगह पर वाटर कूलर लगाया गया है जिसका उद्घाटन रमेश सचदेवा ने किया है इस अवसर पर रमेश सचदेवा उदयभान डॉक्टर आर पी यादव डॉक्टर दीपक सैनी डॉक्टर प्यारेलाल सैनी सभा के प्रधान दीनदयाल सैनी विजय यादव सहित अनेक लोग मौजूद रहे

राजस्थान जनजाति कैबिनेट मंत्री खराड़ी जयपुर से कुशलगढ़ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह तंवर के निवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: आज राजस्थान के जनजाति कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी जयपुर से कुशलगढ़ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह तंवर के निवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे बाबूलाल खराड़ी स्व.सुरेंद्र सिंह तंवर के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों से बातचीत की उन्होंने कहा कि सुरेंद्र सिंह जी के निधन के समाचार मिलने पर बहुत दुख हुआ सुरेंद्र सिंह जी संघ के प्रचारक उदयपुर में कई वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने राजस्थान सहित पूरे देश में अपना नाम रोशन किया स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह तंवर के निधन का समाचार मिलने पर कई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के और विश्व हिंदू परिषद के कई बड़े पदाधिकारी सांसद और मंत्री उनके निवास पर श्रद्धांजलि देने कुशलगढ़ पहुंचे 15 अप्रैल को राज्यपाल महोदय गुलाबचंद कटारिया भी कुशलगढ़ सुरेंद्र सिंह तंवर के निवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे। इस अवसर पर तवर परिवार के आनंद सिंह तंवर प्रेम सिंह तंवर अर्जुन सिंह तंवर जगदीश तवर प्रशांत तंवर रितेश तंवर परिजन मौजूद थे कैबिनेट मंत्री के साथ भाजपा जिला महामंत्री दीपसिंह वसुनिया कुशलगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र अहारी भाजपा नगर मंडल पूर्व अध्यक्ष जिनेंद्र सेठिया पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राघवेश चरपोटा पार्षद राहुल सोनी नरेश गादीया पार्षद महेंद्र शाह सहित मंत्री बाबूलाल खराड़ी की अगवानी की।

भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष भंडारी ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मां वाड़ी लाने की बात करी

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ा: भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीतल भंडारी ने प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ से मिलकर बांसवाड़ा जिले के लिए मां वाड़ी लाने की बात करी जिससे नयी पंचायत और नये वार्ड बने हे जहा पर कच्ची बस्ती है जिससे हर वर्ग की महिलाओं और बच्चों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले और जो बच्चे विधालय नहीं जा रहे हैं उन बच्चों को बालवाड़ी के माध्यम से शिक्षित किया जा सके इस अवसर पर तलवाडा प्रधान निर्मला मकवाना पंचायत समिति सदस्य संतु चरपोटा जिला परिषद सहकार भारती जिला संयोजक कुसुम जोशी आदि महिला उपस्थित रहे ये जानकारी मिडिया प्रभारी वीभा चक्रवर्ती ने दी

ज्यूस की दुकान में चोरी की वारदात का पर्दाफाश

वारदात में प्रयुक्त मोटरसाईकिल जब्त, चोरी का सामान बरामद

मरुधर विशेष

कोटपूतली। निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने ग्राम नारेहड़ा में एक ज्यूस की दुकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुये नकबजनी के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। एसएचओ बाबूलाल मीणा ने जानकारी देते हुये बताया कि ग्राम नारेहड़ा निवासी पीड़ित खेमचंद सैनी ने दर्ज करवाया था कि उसकी नारेहड़ा स्टैण्ड पर ज्यूस की दुकान है। जिसमें 10 माह के अन्दर तीन बार चोरी हो गई है। विगत 31 दिसम्बर के बाद 30 मार्च की रात्रि को फिर से चोरी हो गई। जिसमें ज्यूस की 03 मशीनें, इंवेटर मय बैट्री, कोल्ड ड्रिंक के कार्टुन, गुटखा के पैकेट, रेडबूल के कॉर्टुन व नमकीन के पैकेट आदि भी चोरी हो गये। साथ ही 10 हजार 300 रूपये की नकदी भी पार कर ली। इस पर पुलिस ने मामले की गहनता से जाँच कर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करते हुये तलाश शुरू की। इस सम्बंध में ग्राम पंवाला राजपूत निवासी मनोज पुत्र रामचन्द्र गुर्जर को दस्तयाब कर गहनता से पुछताछ की तो उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर वारदात को अन्जाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके ईशारे पर चोरी किये गये माल में से दो ज्यूसर मशीन, दो मिक्सी इर्न्वटर की बैट्री समेत अन्य सामान बरामद करते हुये वारदात में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को भी जप्त किया है। अभियुक्त से अन्य वारदातों का पता लगाने के सम्बंध में अनुसंधान करते हुये घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

आज हनुमान जयंती है ..मानस मंडल सेवा संस्थान सागवाडा का 730 वा भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ व 5भजन संध्या का आयोजन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: हनुमान जयंती के पावन पवित्र पर्व पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पेट्रोल पंप स्थित हनुमान मंदिरंके प्रांगण में शनिवार को मानस मंडल सेवा संस्थान सागवाडा का 730 वा भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन हुआ। पुजारी द्वारा हनुमान जी व महादेव का मनोहारिक श्रृंगार किया। रामजी व हनुमानजी की प्रतिमा पर तिलक लगाकर पुष्प माला पहनाकर पूजा अर्चना करने के बाद जितेन्द्र सुथार ने गणपति पूजन व जितेन्द्र भट्ट ने सरस्वती वंदना करने के बाद सुंदरकांड पाठ की चौपाइयों का गान जितेन्द्र कलाल व सौरभ भट्ट द्वारा की गईं। कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष किशोर भावसार ने आज हनुमान जयंती है....... चेतन गोगरोत ने आवी सोना नि नगरी वारो देव मारो द्वारिका वारो..... जुगलकिशोर ने मारो बेड़ो लगा दियो पार बजरंग बाला जी..... नकुल गोगरोत ने क्यों करते हो तेरा मेरा अंत समय तो संग कुछ ना जाएगा.........प्रीतम पंचाल ने है धन्य तेरी माया जग में ओ दुनिया के रखवाले ...... सुरेश चंद्र भट्ट ने प्रभु आप हों जिंदगी देने वाले ....सहित कई मधुर भजनों पर व भावेश खींची के ऑर्गन के मधुर स्वर लहरियों के साथ ही नकुल गोगरोत के द्वारा ढोलक की थाप पर उपस्थित श्रद्धालु झूम उठे। विभिन्न वाद्ययन्त्रों पर उत्तम पंचाल, हेमंत भट्ट,अशोक वैष्णव,प्रकाश सुथार,राहुल भगत, धार्मिक पंचाल,रमेश जोशी,भगू दर्जी ने संगत दी। हनुमान चालीसा का पाठ नरेश भट्ट शिवलहरी द्वारा करने के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा उतार कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुकेश तिवारी दीपक तंबोली, आशीष चौबीसा सेलोता, रमेश बुनकर,मनोज अहारी, महेश पुरोहित, बंसीलाल, भंवर सुथार,नवीन कलाल सहित भावसार ,सोमपुरा, मोची,सेवक,पंचाल,ब्राह्मण, दर्जी समाज के पंच, महानुभाव व मातृशक्ति के साथ आसपास क्षेत्र के कई धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।मीडिया जगत से जुड़े इन सम्मानित सदस्यों का मानस मंडल के द्वारा माला,उपराना व शाल ओढ़ाकर सम्मान किया जिसमें अमरीश त्यागी राजस्थान पत्रिका,अखिलेश पंड्या दैनिक भास्कर,सुशील पंचाल अर्जेंट टाइम्स हेमराज जोशी प्रातःकाल सुभाष जैन वागड़ दूत,राकेश खींची मेरा सागवाड़ा, साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनिल अंचल अहम सच,जितेंद्रसिंह चौहान सागवाड़ा लाइव,राजू बर्तन वाला एकता समाचार, योगेश पंड्या दर्शन डिजिटल सागवाड़ा में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठनो जिसमें नारायणलाल बनोत अध्यक्ष गणेश मंडल,विश्वनाथ पंड्या पूर्व अध्यक्ष पेंशनर समाज कुबेरलाल जोशी मोहनलाल भट्ट समाजसेवी रवींद्र सुथार अध्यक्ष आठ चौखला सुथार समाज,बदामीलाल अहारी, शंकरलाल, नारायण लाल एकलव्य भील सेवा संस्थान, राजू भाई पंड्या भिलूड़ा का भी सम्मान किया।

देवल में हनुमान जन्मोत्सव पर हुई भजन संध्या

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़ : डूंगरपुर में ग्राम देवल में हनुमान मंदिर चौक पर विभिन्न पूजा अर्चना व शोभायात्रा व महाप्रसाद के साथ श्री रामदेव भक्ति लहर द्वारा भव्य भजन संध्या समारोह हुआ जिसमें भजन गायक लक्ष्मीकांत जेठवा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी पूर्व में समस्त ग्राम वासियों द्वारा सामूहिक आरती का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहा। भजनों की श्रृंखला में गणेश वंदना मे तने सिमरु गजानंद देवा, बजरंग बाला हो अंजनी के लाल हो, दुनिया चले ना श्री राम के बिना राम जी चले ना हनुमान के बिना, छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, हेलो मारो सुन जो रुणिचा रा राजा, छोटी छोटी गईया छोटे छोटे ग्वाल छोटो सो मेरो मदन गोपाल, दीवाना तेरा आया बाबा तेरी नगरी में, तथा गरबा गायन की प्रस्तुति पर महिलाओं ने भक्ति व श्रद्धा के साथ नृत्य करते हुए झूमे। तबले पर ओमप्रकाश जेठवा, सिंथौसाइजर पर जीतू, ढोलक पर पवन कुमार, व विनायक लोहार, ऑक्टोपैड पर गजेंद्र, मेवाड़ के वादक गण तथा कोरस पर अनिल खोईवाल व रविकांत जेठवा, झंकार पर पिनांक जेठवा, व पीयूष जोशी ने संगत दी।देर रात्रि तक हनुमान सेवा युवा मंडल देवल के भक्त गणो ने झूमते हुए भजनों का आनंद लिया।

आज रक्त दान शिविर विप्र फाउंडेशन द्वारा अम्बेडकर सर्कल पर

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: विप्र फाउंडेशन बांसवाड़ा द्वारा 14 अप्रेल बाबा साहेब अम्बेडकर जन्म दिवस पर अम्बेडकर सर्कल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी विप्र फाउंडेशन प्रदेश महामंत्री योगेश जोशी ने देते हुए बताया इस शिविर हेतु सपना फाउंडेशन,पंच धोबी सेवा सस्थान, बंजारा सेवा सस्थान,सर्व सनातन जागरण मंच,सनातन धर्म सभा सहयोगी सस्थान के रूप मे साथ है। रक्त संग्रह के लिए महात्मा गाँधी अस्पताल की टीम नरेंद्र बघेल के नेत्रत्व मे रहेगी वही रक्त दान शिविर सवेरे 9.30 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय का बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती " सामाजिक समरसता दिवस"डूगरा छोटा में

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशानुसार भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह सामाजिक समरसता दिवस के रूप में जिले की शिक्षक संघ राष्ट्रीय की सभी उप-शाखाओं में सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। उपशाखा कुशलगढ़ के अध्यक्ष पृथ्वीसिंह पडवाल एवं मंत्री कन्हैयालाल निनामा तथा सज्जनगढ़ उपशाखा के अध्यक्ष प्रवीण कुमार माली एवं मंत्री मनीष डिंडोर ने बताया की संगठन ने इस बार तय किया है कि जिला स्तरीय समारोह के स्थान पर कार्य का विकेंद्रीकरण करते हुए राजस्थान के सभी जिलों में बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती सामाजिक समरसता दिवस के रूप में दो या तीन उप-शाखाएं संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित करेगी उसी श्रृंखला में उपशाखा सज्जनगढ़ एवं कुशलगढ़ का संयुक्त सामाजिक समरसता समारोह डूगरा छोटा के शान्ति कुटी स्थान पर ठीक 10.00 बजे प्रारम्भ होंगा। समाज में समरसता का भाव जागृत हो सभी भाइचारे के साथ देश के समग्र विकास में योगदान दे। इसी भाव से यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। डूगरा छोटा के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विधा भारती बांसवाड़ा के जिला सचिव ललित कुमार दवे का बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पाथेय प्राप्त होगा। इस हेतु आज जिला सभाध्यक्ष दिग्पाल सिंह राठौड़, बलवंत सिंह, जसवंत सिंह मेरावत, कलसिंह मच्छार, जसवंत सिंह भरपोडा प्रवीण कुमार माली, पृथ्वीसिंह पडवाल आदि ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया ।।

पंजाबी सभा खैरथल की ओर से धूमधाम के साथ मनाया गया बैसाखी पर्व, लंगर का हुआ आयोजन

हजारों लोगों ने प्रसाद चखा,इन्द्रा हैप्पी स्कूल खैरथल के बच्चों ने दी सेवाएं

मरुधर विशेष

विजय सिंह /मोहम्मद शकील खैरथल । खैरथल पंजाबी सभा खैरथल की ओर से रविवार को माया कॉलोनी पंजाबी भवन में विशाल भव्य लंगर का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद चखा । मीडिया प्रभारी पंकज खुराना ने बताया कि पंजाबी सभा खैरथल की ओर से बैसाखी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया इस अवसर पर विशाल भव्य लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सुबह 5 बजे से ही सेवादारों ने अपनी सेवा देकर लंगर बनाया सुबह 9:30 बजे सुखमणि साहब का पाठ रखा गया इसके पश्चात 12:30 बजे लंगर प्रारंभ किया गया। आयोजित कार्यक्रम में पंजाबी सभा खैरथल के अध्यक्ष कपिल शर्मा,सचिव पंकज खुराना,ओम प्रकाश अरोड़ा,कश्मीरी लाल छाबड़ा,पी.एल बांगा,डॉक्टर जितेंद्र तनेजा,महेश भल्ला,महेंद्र छाबड़ा,जसपाल सिंह मक्कड़,सुनीत तनेजा, ईशान ढींगरा,रिंकू वासुदेव,प्रतीक वासुदेव, गोकुल, बनवारी लाल कालरा ,नितिन कालरा, सुरजीत मदान,भारत भूषण,मोनू ढींगरा, विक्की वासुदेव,नीरज मदान,प्रेम भल्ला, हरीश छाबड़ा,किशन तनेजा,मुखी गोविंद राम सोनी आदि मौजूद रहे। इस दौरान इन्द्रा हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खैरथल के बच्चों ने भी लंगर सेवा में सहयोग किया। इस मौके पर अनमोल,लव,वंश खुराना, केशव,मयंक शर्मा, मयंक सैन,साहिल,अंकित,रितेश भगतानी द्वारा की दी गई सेवा कार्य की सभी समाज के लोगों सहराना की। लंगर में हजारों लोगों ने प्रसाद चखा। समाज के मुखी ने सभी को सफल कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया।

राजेंद्र प्रसाद लाटा बने ब्राह्मण समाज अध्यक्ष

मरुधर विशेष

बानसूर क़स्बे के परशुराम भवन में ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पद के चुनाव पूर्व अध्यक्ष पीयूष पुरोहित की देखरेख में संपन्न हुए हैं। जिसमें सर्वसम्मति से राजेंद्र प्रसाद लाटा को ब्राह्मण समाज का अध्यक्ष नियुक्त किया गया इस मौके पर उपस्थित विप्र बंधुओ ने अध्यक्ष का माला एवं साफा बांधकर स्वागत किया। इस दौरान भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण हुआ। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल ढांचौलिया,बसंत शर्मा, एडवोकेट सुभाष जोशी, विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व एक्सईएन सज्जन मिश्रा, रामानंद दीक्षित, नरहरि शर्मा, मनोज दीक्षित, महेश ढाचोंलिया, विजय महर्षि,एडवोकेट संकेत लाटा, विकास जोशी, गोविंद सिंह गौड़,, राजेश शर्मा, अजय शर्मा सहित विप्र बंधु मौजूद रहे।

शहरो में सीटे खाली ,फिर भी ग्रामीण क्षेत्र में लगाए प्रिंसिपल

शहरी क्षेत्र में प्रिंसिपल के पास सरकारी योजनाओ का प्रभार , यूसीईईओ ,प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन का कार्यभार एवं नामांकन ज्यादा फिर भी पद रखे गए खाली

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ा।हाल ही में प्रधानाचार्य के तकरीबन 8 हजार रिक्त पद होने के बावजूद महज 4850 पद ही खोले गए जबकि शहर एवं बड़े कस्बो के पदों को नहीं खोला गया ।जिसके कारण कई प्रधानाचार्यो को दूरस्थ क्षेत्र में पदस्थापन मिला।

राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष अनिल पंड्या एवं जिला संगठन मंत्री गमीरचंद पाटीदार ने कहा कि रिक्त पद होने के बाद भी केवल आधे पद खोलकर काउंसिलिंग करना नव पदोन्नत प्रधानाचार्यो के साथ अन्यायपूर्ण कदम है। पदोन्नति के समय शहर एवं उसके आसपास के रिक्त पदों को नहीं खोलना तथा बाद में ऐसे पदों को स्थानातरण से भरना अप्रत्यक्ष रूप से काउंसिलिंग प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है।आखिर में पूरे पद क्यो खोले नहीं जाते।पूरे पद खोलने के बाद काउंसिलिंग से पद भरकर शेष पदों को ट्रांसफर से भरा जा सकता है।अथवा आगामी समय मे होने वाली नवीन भर्ती एवं पदोन्नति से भी तत्कालीन रिक्त पदों को भरा जा सकता है।

संगठन मंत्री गमीरचंद पाटीदार ने कहा कि राज्य में 18 जिलो में काउंसिलिंग के पदों की तुलना में पदोन्नत प्रधानाचार्य अधिक है।वहीं 15 जिलो में प्रधानाचार्यो की संख्या तुलना में पद ज्यादा है। ऐसे में कई जिले ऐसे है जो अब नए जिले में चले गए है और काउंसिलिंग में पुराने ही बताये है।

काउंसलिंग में कम खोले गए पदों वाले जिले

प्रदेश के भीलवाड़ा में संभागियों की तुलना में 9 पद कम खोले गए। इसी तरह अलवर में 92, पाली में 12, चित्तौड़गढ़ में 6, अजमेर में 91, सीकर में 66, चूरू 58, राजमसंद में 11, गंगानगर में 38, करौली में 25, दौसा में 24, हनुमानगढ़ में 18, बूंदी में 11, जयपुर 250, सवाई माधोपुर में 20, टोंक में 28, झुंझुनूं में 145 व कोटा में 69 पद संभागियों की तुलना में कम खोले गए।

इन जिलों में अधिक नियुक्त हुए प्रधानाचार्य

प्रदेश के 15 जिलों में संभागियों की तुलना में अधिक पद खोले गए। ऐसे में मजबूरी में अपने जिले में पद नहीं होने पर प्रधानाचार्य बनने वालों को वह विकल्प चुनना पड़ा। प्रदेश के बाड़मेर में संभागियों की तुलना में 518, उदयपुर में 142, जालोर में 165, बांसवाड़ा में 145, जोधपुर में 81, डूंगरपुर में 98, जैसलमेर में 151, प्रातपगढ़ में 158, नागौर में 2, बारां में 123, झालावाड़ में 45, भरतपुर में 6, डूंगरपुर में 83, बीकानेर में 4, सिरोही में 36 पद संभागियों की तुलना में अधिक खोले गए थे। पीइइओ वाले स्कूल तक नहीं किए शामिल

कई पीइइओ वाले स्कूल काउंसलिंग में शामिल नहीं किया है, जबकि एकल स्कूल को काउंसलिंग में शामिल कर दिया गया। प्रधानाचार्य की जरूरत पीइइओ स्कूल में अधिक होती है। उसके अधिनस्थ और भी स्कूल होते हैं। ऐसे में उक्त काउंसलिंग पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

जिलाध्यक्ष अनिल पंड्या ने कहा कि पदोन्नत प्रधानाचार्यो में से कई प्रधानाचार्य पूर्व के विद्यालय में जहां पदस्थापित थे वहां प्रिंसिपल का पद रिक्त था।वहाँ नामांकन भी अधिक था। पीईईओ एवं यूसीईओ का दायित्व भी था किंतु ऐसे रिक्त पदों को काउंसिलिंग में नहीं खोला गया जो अव्यवहारिक है। पंड्या ने कहा कि आजकल एक पैटर्न बना दिया है कि पदोन्नत करए ही पहले उन्हें यथावत पदस्थापन दे दिया जाता है तथा बाद में काउंसिलिंग कर पदस्थापन प्रदान किया जाता है जिससे कार्मिको को इच्छित स्थान नहीं मिलने पर फोरगो का अवसर भी छीन लिया जाता है। महासंघ काउंसलिंग प्रक्रिया को कर्मचारी हितार्थ बनायी जावे। आसपास के रिक्त पदों को खोलने से परहेज करने फोरगो का अवसर छीन लेने तथा जहां से कर्मचारियों को अन्यत्र पदस्थापित किया है वहाँ पुनः ट्रांसफर से सीट भरने की प्रक्रिया को बंद कर काउंसिलिंग पद्धति को पारदर्शी बनाने की मांग की है।

पदस्थापन से पहले केवियट लगाना अनियमितता का संकेत

महासंघ के श्री गमीरचंद पाटीदार ने कहा कि पदोन्नत प्रधानाचार्य पदस्थापन से पहले हाई कोर्ट से केवियट लगाना काउंसिलिंग प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है तथा अनियमितता होने का संकेत देता है।अगर समस्त प्रक्रिया सही है तो केवियट की कोई जरूरत नहीं। ये जानकारी अनिल पंड्या ने दी।

आज भाजपा मंडल नींमुचाना के द्वारा सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर दीपदान स्वच्छता कार्यक्रम ग्राम बिलाली में आयोजित किया गया

मरुधर विशेष

जिसमें मंडल अध्यक्ष कांता सत्येंद्र शर्मा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि लोकप्रिय विधायक देवी सिंह शेखावत एवं जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर नीलम यादव रही मंडल प्रभारी नीलम यादव ने भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला एवं विधायक देवी सिंह शेखावत ने भी भीमराव अंबेडकर कि भारत में संविधान पर प्रकाश डाला इस दौरान हंसराज सरपंच प्रतिनिधि बिलाली विजय गोठवाल देवी सिंह सरपंच किरण संदीप पार्षद कबूलचंद वर्मा सरपंच गुर्जर रामावतार सैनी सरपंच पप्पू राम सैनी भारत सिंह आदि मंडल कार्यकर्ता मौजूद रहे।

Marudharhind24 news Private Limited के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वेंणोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शामदा अलवर से प्रकाशित। मो. 9653906665, 7014373732